आइआइएम रांची में एनइपी की कार्ययोजना विषय पर परिचर्चा

एनइपी 2020 के कार्यान्वयन से सभी विश्वविद्यालय के सिलेबस हुए समान

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

शिक्षा मंत्रालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की ओर से 29 और 30 जुलाई को न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनइपी) 2020 की तीसरी वर्षगांठ मनायी जायेगी. इसके तहत आइआइएम रांची में मंगलवार को एनइपी की रणनीतिक कार्ययोजना एवं कार्यान्वयन विषय पर परिचर्चा हुई. इसमें राज्य के विभिन्न शैक्षणिक संस्थान के प्रतिनिधि शामिल हुए. इसमें बताया गया कि एनइपी 2020 के कार्यान्वयन से झारखंड के सभी विवि का सिलेबस एक समान हो चुका है. सत्र की अध्यक्षता करते हुए आइआइएम रांची के निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि एनइपी के कार्यान्वयन से शिक्षा जगत में व्यापक बदलाव दिख रहा है. शैक्षणिक संस्थाएं पारंपरिक शिक्षा पद्धति से हट कर काम कर रही हैं. एनइपी के तहत आइआइएम रांची में सोशल इंपैक्ट एजुकेशन को लागू किया गया है. इसके अलावा "हैप्पीनेस कोर्स", "ह्यूमेन कनेक्ट" कार्यक्रम और "सोशल इंटर्नशिप" को बढ़ावा देने के लिए "यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम" का संचालन किया जा रहा है. लाइव-केस लर्निंग मॉडल से छात्रों को आदिवासी गांवों की जानकारी दी जा रही है. इससे गांव की समस्याओं को तलाश कर उनका व्यावहारिक समाधान खोजा जा रहा है. रणनीतिक योजना "आइआइएम रांची@2030" के तहत भारतीय ज्ञान प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए "भारतीय व्यापार प्रणाली"" और ""जनजातीय उद्यमिता"" पर शोध करने में जुटी हुई है.

परिचर्चा में भाग लेते शिक्षाविद्.

आरयू में 18 व्यवसायिक शिक्षा हो रही संचालित : सत्र में आरयू के वीसी डॉ अजीत कुमार सिन्हा मौजूद थे. उन्होंने कहा कि एनइपी के कार्यान्वयन से झारखंड के सभी विवि का सिलेबस एक समान हो पाया है. बीते वर्ष आरयू ने एनइपी को लागू किया और पहले बैच की परीक्षा संपन्न हुई है. विद्यार्थियों को एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट का लाभ मिलने लगा है. वहीं, विवि 156 वोकेशनल कोर्स में से 18 का संचालन कर रहा है. इन कोर्स से 1.6 लाख विद्यार्थी जुड़ चुके हैं.

औद्योगिक मांग के अनुरूप तैयार हो रहे विद्यार्थी: मौके पर कौशल विकास मंत्रालय झारखंड के उप निदेशक पीके मडावी ने कहा कि एनइपी के तहत राज्य को स्किल हब बनाने की तैयारी है. वहीं, एनआइटी जमशेदपुर के एसोसिएट डीन एकेडमिक्स डॉ मो आशिक हसन ने एनइपी से इनोवेशन और आइडिया के क्रियान्वयन को मिल रहे लाभ पर चर्चा की. कहा कि लगातार विद्यार्थियों को स्टार्टअप के लिए प्रेरित किया जा रहा है. वहीं, ट्रिपल आइटी के प्राध्यापक डॉ शशीकांत शर्मा ने एनइपी के तहत लागू एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के लाभ पर चर्चा की.

मूलभूत साक्षरता को दिया जा रहा बढ़ावा

केंद्रीय विद्यालय संगठन के आरओ डीपी पटेल ने कहा कि एनइपी के लागू होने से प्रारंभिक आयुवर्ग के बच्चों में शैक्षणिक विकास देखा जा रहा है. बच्चों के बीच मूलभूत साक्षरता पूरी की जा सके, इसके लिए बाल वाटिका स्थापित की गयी है. देश के 450 बाल वाटिकाओं में से 17 बाल वाटिका राज्य में स्थापित हुई हैं. जहां कक्षा पहली से ही बच्चों को तकनीक प्रभावी शिक्षा दी जा रही है. एनइपी के तहत पाठ्यक्रम को रोचक बनाया गया है, जिससे स्कूली शिक्षा से जुड़ रहे बच्चे 12 सप्ताह में विद्यालय संस्कृति में ढलने लगे हैं. केंद्रीय विद्यालयों में 2018 से ही व्यवसायिक शिक्षा पर बल दिया जा रहा है. दो कोर्स का प्रशिक्षण सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य किया गया है. अब तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स से 8500 से अधिक विद्यार्थी प्रशिक्षण ले चुके हैं. विद्यार्थियों की क्षमता का आकलन डिजिटल, मेंटल और सोशल असेसमेंट के तहत किया जा रहा है.

Prabhat Khabar, 26.07.2023, Pg.7